HEALTH DEPARTMENT

The 28th February, 1975

No. 813-5HBII-75/6908.—Whereas the Governor of Haryana is satisfied that the land specified below is needed by the Government, at public expense for a public purpose, namely, for the construction of rural dispensary and staff quarters at Morni in Naraingarh Tehsil, district Ambala for which notification No. 5764-A.S.O.I.-HBII-74/ 27221, dated 11th the September, 1974, under section 4 of the Land Acquisition Act, 1894, had been published, it is hereby declared that the land described in the specification below is required for the above said purpose.

This declaration is made under the provisions of section 6 of the Land Acquisition Act, 1894, for the information of all to whom it may concern.

The plan of the land may be inspected in the office of the Land Acquisition Collector, Naraingarh.

SPECIFICATION

District	Tehsil	Village/Location/ H.B. No.	Area in acres	Khasra Nos.
Ambala	Naraingarh	Morni	0.64 (5 Kanals 2.4 Marlas)	Khasra No. 22/2

M. SETH, Commissioner and Secy.

FINANCE DEPARTMENT

The 26th February, 1975

No. 279-5FG(1)-75/5059.—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 283 of the Constitution of India, and all other powers enabling him in this behalf, the Governor of Haryana hereby makes the following rules further to amend the Punjab Financial Rules, Volume I, in its application to the State of Haryana, namely;—

1. These rules may be called the Punjab Financial Rules, Volume I (Haryana First Amendment) Rules, 1975.

2. In the Punjab Financial Rules, Volume I (hereinafter referred to as the said rules), in serial No. 7, Rule 19.15, the following shall be added at the end in column 3:—

"Legal Remembrancer and Secretary to Government, Haryana, Legislative Department" and the following in the column 4: "Full Powers."

S. N. BHANOT, Commissioner and Secy.

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 27/28 फरवरी, 1975

क्रमांक 3071-ज(II)-74/5164.—श्री राम नारायण, पुत्र श्री तोखा राम, निवासी गांव मोर माजरा, तहसील व जिला करनाल की दिनांक 17 जनवरी, 1974 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(iए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए सहर्ष आदेश देते हैं कि श्री राम नारायण के नाम सरकार की अधिसूचना क्रमांक 4834-ज(II)-72/516, दिनांक 5 जनवरी, 1973 द्वारा 150 रुपये वार्षिक की स्वीकृत की गई जागीर, उसकी विधवा श्रीमती ज्ञानो के नाम खरीफ़, 1974 से 150 रुपये वार्षिक की दर से सनद में वर्णित शर्तों के अन्तर्गत तबदील की जाती है।

दिनांक 28 फरवरी, 1975

क्रमांक 167-ज(II)-75/5298.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया गया है, और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री ब्रह्मा नन्द, पुत्र श्री जैली राम, गांव सीसर, तहसील नरवाना, जिला जीन्द, को रबी, 1973 से 150 रुपए वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।